

देश के 'प्रगति-50' शहरों में शामिल हुए इंदौर, भोपाल और उज्जैन

**कचरा मुक्त एवं धूल मुक्त शहरों के निर्माण के साथ
युवाओं और उद्योगों की सहभागिता से सर्कुलर इकोनॉमी को मिलेगा बढ़ावा**

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में मध्यप्रदेश के शहर स्वच्छ, सुगम और बेहतर शहरी सेवाओं की दिशा में तेजी से आगे बढ़ रहे हैं। स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत शहरी स्वच्छता, सैनिटेशन एवं ठोस अपशिष्ट प्रबंधन के क्षेत्र में देश के चयनित 50 शहरों को मॉडल शहर के रूप में विकसित करने के उद्देश्य से भारत सरकार द्वारा प्रारंभ की गई प्रगति-50 पहल में मध्यप्रदेश के भोपाल एवं उज्जैन शहरों का चयन किया गया है। चयनित शहरों में स्वच्छता, सैनिटेशन, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा नागरिक सहभागिता के क्षेत्र में समयबद्ध एवं परिणाम आधारित कार्यों को गति दी जाएगी।



प्रगति-50 पहल के संबंध में आज आयोजित वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग में मध्यप्रदेश के नगरीय विकास एवं आवास मंत्री श्री कैलाश विजयवर्गीय ऑनलाइन शामिल हुए। नगरीय प्रशासन एवं विकास आयुक्त श्री संकेत भोंडवे सहित विभागीय अधिकारी एवं संबंधित नगरीय निकायों के अधिकारी भी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से सहभागिता की। बैठक में स्वच्छ भारत मिशन (शहरी) 2.0 के अंतर्गत नई पहलों, तकनीकी नवाचारों तथा प्रगति-50 शहरों में स्वच्छता के परिणामों को गति देने के लिए निगरानी एवं क्रियान्वयन व्यवस्था पर चर्चा हुई।

मंत्री श्री विजयवर्गीय ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के विकसित भारत की संकल्पना के अनुरूप मध्यप्रदेश PRAGATI-50 के लिए संकल्पित होकर कार्य करेगा। इंदौर, भोपाल और उज्जैन में विस्तृत कार्ययोजना बनाकर हम उत्कृष्ट कार्य कर प्रदेश और इन महानगरों की प्रतिष्ठा बढ़ाने का काम करेंगे। उज्जैन सिंहस्थ की दृष्टि से इन तीनों शहरों का समग्र विकास अति महत्वपूर्ण है। इस पहल से इन शहरों में स्टार्टअप और इंडस्ट्रियल सेक्टर के विस्तार में गति आएगी। युवा स्वच्छता के लीडर बन पाएंगे।”

वर्ष 2028 में आयोजित होने वाले सिंहस्थ महापर्व की दृष्टि से स्वच्छता एवं सैनिटेशन अधोसंरचना को प्राथमिकता के आधार पर सुदृढ़ करने में इस पहल की बड़ी भूमिका होगी।

घाटों, सार्वजनिक शौचालयों, ठोस एवं तरल अपशिष्ट प्रबंधन तथा भीड़-आधारित स्वच्छता व्यवस्था को उन्नत किया जाएगा इस पहल के अंतर्गत कचरा मुक्त और धूल मुक्त शहरों की अवधारणा को साकार करने के लिए मिशन मोड पर कार्य किया जाएगा। स्रोत स्तर पर कचरा पृथक्करण, घर-घर कचरा संग्रहण, एमआरएफ, कम्पोस्टिंग एवं वैज्ञानिक अपशिष्ट प्रसंस्करण को सुदृढ़ किया जाएगा। सार्वजनिक स्थलों की स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं दर्शनीय स्वच्छता और सुंदरता पर विशेष ध्यान दिया जाएगा। वेस्ट-टू-वेल्थ और सर्कुलर इकोनॉमी को बढ़ावा दिया जाएगा। युवाओं, स्टार्टअप्स एवं उद्योगों की स्वच्छता और अपशिष्ट प्रबंधन में सहभागिता बढ़ाई जाएगी। स्वच्छता क्षेत्र में नवाचार एवं उद्यमिता को प्रोत्साहित किया जाएगा। वर्ष 2027 में प्रस्तावित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट की दृष्टि से भोपाल को स्वच्छ, हरित एवं निवेश-अनुकूल महानगर के रूप में विकसित करने का लक्ष्य है। ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, उपयोगित जल का पुनः उपयोग, सार्वजनिक स्वच्छता, सौंदर्यीकरण एवं दृश्य स्वच्छता को प्राथमिकता दी जाएगी। कचरा संभावित स्थलों के उन्मूलन और सार्वजनिक स्थलों के कायाकल्प पर विशेष जोर दिया जाएगा। वेस्ट-टू-वेल्थ, सर्कुलर इकोनॉमी तथा पीपीपी आधारित परियोजनाओं को प्रोत्साहन करना भी इस पहल में शामिल है। इसके अंतर्गत समयबद्ध क्रियान्वयन एवं परिणाम आधारित निगरानी भी सुनिश्चित की जाएगी।

बिरसिंहपुर सोलर-बैटरी स्टोरेज परियोजना पर निवेशक संवाद

**ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं
ऊर्जा भंडारण क्षेत्र की निवेश संभावनाओं को किया प्रस्तुत**



मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में निवेश को बढ़ावा देने तथा ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए निवेश की संभावनाओं को सामने लाने के उद्देश्य से आज मध्यप्रदेश भवन, नई दिल्ली में बिरसिंहपुर 200 मेगावाट फ्लोटिंग सोलर प्लस 50 मेगावाट/100 मेगावाट घंटा बैटरी एनर्जी स्टोरेज सिस्टम (BESS) परियोजना पर निवेशक संपर्क एवं हितधारक परामर्श कार्यक्रम आयोजित किया गया।

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कार्यक्रम में मार्गदर्शन प्रदान करते हुए परियोजना तथा मध्यप्रदेश में हरित ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण क्षेत्र में निवेश की संभावनाओं पर अपने विचार व्यक्त किए। अपर मुख्य सचिव श्री संजय दुबे ने कहा कि मध्यप्रदेश नवाचारी पूल्ड फाइनेंसिंग तंत्र और शासन के सहयोग के माध्यम से शहरी अधोसंरचना के वित्तपोषण में एक नया मानक स्थापित कर रहा है। डेवलपर्स, वित्तीय संस्थानों और ऊर्जा क्षेत्र के प्रमुखों द्वारा प्रदर्शित मजबूत रुचि प्रदेश की विकास दृष्टि, संस्थागत विश्वसनीयता और सतत शहरी विकास के प्रति

प्रतिबद्धता में निवेशकों के विश्वास को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि विभिन्न विभागों और सार्वजनिक संस्थानों के बीच समन्वित प्रयासों से ऐसे प्रोजेक्ट विकसित किए जा रहे हैं, जो पर्यावरण की दृष्टि से उत्तरदायी होने के साथ-साथ वित्तीय रूप से सुदृढ़ और निवेश के लिए तैयार हैं।

कार्यक्रम में मध्यप्रदेश पावर जनरेटिंग कंपनी लिमिटेड (MPPGCL) के प्रबंध संचालक श्री मंजीत सिंह ने परियोजना के उद्देश्य एवं स्वरूप की जानकारी दी। MPPGCL के अधीक्षण अभियंता श्री अवनीश शुक्ला ने परियोजना का विस्तृत प्रस्तुतिकरण किया। इसके बाद निवेशकों एवं अन्य हितधारकों के साथ हितधारक परामर्श एवं प्रश्नोत्तर सत्र आयोजित किया गया। इसमें परियोजना से संबंधित विभिन्न विषयों पर खुली चर्चा हुई तथा निवेशकों एवं हितधारकों से सुझावों का आदान-प्रदान किया गया।

कार्यक्रम का समन्वय मध्य प्रदेश अर्बनडेवलपमेंट डेवलपमेंट कंपनी के तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर और सीईओ गणवीर सिंह ने किया। कार्यक्रम के दौरान मध्यप्रदेश में नवीकरणीय ऊर्जा एवं ऊर्जा भंडारण के क्षेत्र में उपलब्ध निवेश संभावनाओं, परियोजना के विभिन्न पहलुओं तथा इसके संभावित अवसरों पर विस्तार से चर्चा की गई। यह संवाद ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट-2027 के लिए मध्यप्रदेश की निवेश संभावनाओं को निवेशकों के समक्ष प्रस्तुत करने की दिशा में महत्वपूर्ण रहा। गौतलब है की कार्यक्रम में 39 से अधिक डेवलपर फर्मों एवं प्रमुख ऊर्जा और वित्तीय संस्थानों के प्रतिनिधियों ने सहभागिता की।



MPUDC की 9वीं लेखा परीक्षा समिति की बैठक आयोजित हुई। बैठक की अध्यक्षता स्वतंत्र संचालक श्रीमती स्नेहलता श्रीवास्तव ने की। बैठक में स्वतंत्र संचालक श्री के.के. सिंह, प्रबंध संचालक श्री संकेत भोंडवे, वित्त नियंत्रक श्री सौरभ तिवारी एवं सनदी लेखाकार श्री प्रशांत कौशल उपस्थित रहे। समन्वय कंपनी सचिव सुश्री प्रियंका कुमारी ने किया।



नई दिल्ली स्थित hudcolimited में अर्बन अधोसंरचना परियोजनाओं में निवेश, वित्तीय संसाधनों और नगरीय परिवर्तन की संभावनाओं पर आयोजित दो दिवसीय कार्यशाला 'अर्बन चैलेंज फंड : निर्णय क्षमता, निवेश तत्परता एवं नगरीय परिवर्तन' का आज प्रथम दिवस रहा। MPUDC की ओर से कार्यशाला में मुख्य कार्यपालन अधिकारी श्री गणवीर सिंह, कंपनी सचिव सुश्री प्रियंका कुमारी, तकनीकी अधिकारी कमलेश भटनागर तथा कॉन्ट्रैक्ट एंड एग्रीमेंट्स मैनेजमेंट एक्सपर्ट श्री गुलशन मिश्रा, ने सहभागिता की।



75 नगरों की जलप्रदाय व सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक

अपर प्रबंध संचालक सुश्री मिशा सिंह ने की बैठक की अध्यक्षता

नगरीय विकास एवं आवास विभाग के उपक्रम मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की 75 नगरों की जलप्रदाय व सीवरेज परियोजनाओं की समीक्षा बैठक सुंदरलाल पटवा नगर प्रबंधन संस्थान, भोरी में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता अपर प्रबंध संचालक सुश्री मिशा सिंह ने की।

सुश्री मिशा सिंह ने अधिकारियों को निर्देश दिए कि परियोजनाओं के विभिन्न घटकों को पूर्ण करने के लिए स्पष्ट समय-सारणी निर्धारित कर उसके अनुसार कार्य सुनिश्चित करें। उन्होंने कहा कि देयकों का भुगतान लंबित नहीं रहना चाहिए तथा परियोजनाओं की सूक्ष्म स्तर पर नियमित मॉनिटरिंग की जाए। उन्होंने जलप्रदाय परियोजनाओं में केवल जलप्रदाय व्यवस्था ही नहीं, बल्कि अन्य शेष कार्यों की फिनिशिंग पर भी विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए। इनमें वॉटर मीटर सहित अन्य आवश्यक घटकों की स्थापना को प्राथमिकता से पूर्ण करने को कहा। उन्होंने जिला प्रशासन एवं संबंधित अन्य एजेंसियों के साथ समन्वय स्थापित कर परियोजनाओं को समय-सीमा में पूर्ण करने पर जोर दिया।



बैठक में प्रमुख अभियंता श्री आनंद सिंह ने परियोजनाओं की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति की विस्तृत जानकारी प्रेजेंटेशन के माध्यम से प्रस्तुत की। वहीं विशेषज्ञ श्री उदय रोमन ने अमृत यूनिवर्स पोर्टल पर जलप्रदाय परियोजनाओं की जानकारी अपडेट करने संबंधी प्रशिक्षण दिया। बैठक में प्रशासन श्री अनिल कुमार जैन, वित्त नियंत्रक श्री सौरभ तिवारी मध्यप्रदेश अर्बन डेवलपमेंट कंपनी की विभिन्न इकाइयों के परियोजना प्रबंधक, सहायक परियोजना प्रबंधक, सलाहकार, विशेषज्ञ एवं संविदाकारों के प्रतिनिधि उपस्थित रहे।